एक नजर में

श्री गणेशोत्सव पर लाडुभोग का अद्वितीय आयोजन

बुरहानपुर। श्री सकलपंच वीसालाड समाज के नागझिरी स्थित श्री गणपतिजी के मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अनंत चतुर्थी के शुभ अवसर पर श्री गणपतिजी को लाडुभोग लगाया जायेगा। श्री गणेशोत्सव के अवसर पर होने वाले श्री लाडुभोग छप्पन भोग का आयोजन समाज के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रकांत श्रोफकी अध्यक्षता में होने जा रहा है। समाज के सभी परिवार से श्री गणपतिजी को लाडु, मोदक एवं विभिन्न प्रकार के पकवान का भोग लगाया जायेगा। दिव्य दर्शन आज शनिवार संध्या 7 से 8 बजे तक होंगे। समाज की बहने अथर्व पाठ करेगी एवं महाआरती रात्रि 8.15 बजे होगी। श्रीकृष्ण युथ आर्गेनाइजेशन के युवा सदस्यों और समाज की बहने तैयारी में लगे है। समस्त जानकारी समाज के सक्रिय सचिव भरत श्रोफने दी।

सकारात्मक सोचना और दूसरों के लिए अच्छाई की कामना करना प्रार्थना है : श्री आदित्य भाई मुखिया

बुरहानपुर। श्री गोकुल चंद्रमा जी मंदिर के श्री वल्लभ भवन में आज भागवत जी के चतुर्थ दिवस श्री वामन जी का जन्म एवं श्री रामचंद्र जी का जन्म , नंद महोत्सव की कथा सुनाते हुवें श्री आदित्य भाई मुखिया जी ने कहा कि क्या हम और आप प्रार्थना करते हैं। प्रार्थना की यह व्याख्या बहुत पसंद आई। प्रार्थना क्या है, प्रार्थना सिर्फ़ घुटनों के बल बैठकर या हाथ जोड़कर ध्यान केंद्रित करके ईश्वर से कुछ पाने की उम्मीद करने से नहीं होती , सकारात्मक सोचना और दूसरों के लिए अच्छाई की कामना करना प्रार्थना है। जब आप किसी दोस्त को गले लगाते हैं। वह भी प्रार्थना है। जब आप परिवार और दोस्तों के लिए कुछ भोजन बनाते हैं। वह भी प्रार्थना है। जब हम अपने प्रियजनों को विदा करते हैं और कहते हैं। सुरक्षित गाड़ी चलाएँ या श्सुरक्षित रहें । वह भी प्रार्थना है। जब आप अपना समय और ऊर्जा देकर किसी ज़रूरतमंद की मदद कर रहे होते हैं। आप प्रार्थना कर रहे होते हैं। जब आप किसी को दिल से माफ़ करते हैं। वह भी प्रार्थना है। प्रार्थना एक कंपन है। एक एहसास है। एक विचार है। प्रार्थना प्रेम, मित्रता और सच्चे रिश्तों की आवाज़ है। प्रार्थना आपके मौन अस्तित्व की अभिव्यक्ति है। हमेशा प्रार्थना करते रहें। की प्रभु मुझे दूसरों की सेवा करने का अवसर प्रदान करें मानव सेवा ही सबसे बड़ी प्रार्थना है प्रभु राम ने मानव को कैसे जीवन जीना ये बताया है। सही हाथों में मानव मानव नहीं बन सका इसलिए हमारे जीवन में मानवता जरूरी है एवं दूसरों के प्रति प्रेम की भावना हमें सदैव विचार रखना है। प्रेम और नम्रता... एक ऐसी महक हैं, जिसकी खुशबु स... सभी खींचे चले आते हैं यही प्रभु की प्रार्थना है। महेंद्र भाई सूराजी परिवार ने वामन जी का पूजन कर नंद महोत्सव का आनंद लिया।

मालीवाडा में गणपति बप्पा आकर्षक झाकियों एवं संदेश के साथ विराजित

बुरहानपुर। बुरहानपुर के मालीवाडा मे इस वर्ष भक्तो की बड़ी संख्या मे भीड़ उमड़ रही है मालीवाडा मे साक्षात पंढ़रपुर दर्शन की अनुभूति हो रही है यहा संत नामदेव महाराज के रूप मे गणेश प्रतिमा विराजित की गई है संत नामदेव महाराज ताड़ बजाते हुए भगवान पांडुरंग की आराधना करते हुए नजर आ रहे है और भगवान विट्ठल माता रुखमनी भक्त को दर्शन देने के लिए प्रगट हुए दिखाई दे रहे है यह प्रतिमा साक्षात पंढ़रपुर दर्शन की याद दिला रही है भगवान विट्ठल माँ रुखमानी का सिंगार एवं आभूषण भक्तो के मन को मोह रहे है आभूषण मानो असली सोने के हो ऐसा प्रतीत हो रहा है संत नामदेव महाराज भगवान विट्ठल पांडुरंग के दर्शन के लिए पैदल वारी किया करते थे यह प्रथा आज भी चलती आ रही है और आने वाली पीढ़ी को हमारी संस्कृति के बारे मे जानकारी रहे इसलिए माली किंग मंडल एवं संत सावता माली वारकरीए मंडल प्रतिवर्ष वारकरी संप्रदाय की थीम पर गणेश प्रतिमा बैठा रहे है जो हमे यह संदेश देते है की डीज्जे फिल्मी गाने बजाने की बजाय हम हिंदू संस्कृति के संस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बप्पा को विराजित करना चाहिए।

मुस्लिम समाज का उतावली नदी पर 587 वां उर्स

बुरहानपुर। बुरहानपुर में मुस्लिम समाज का उतावली नदी पर 587 वां उर्स हजरत शाह निजामुद्दीन भिखारी रेहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर मनाया गया। शुक्रवार को हजारों लोग यहां नमाज अदा करने पहुंचे। हजरत शाह सिंध प्रांत के चिश्ती नगर के रहने वाले थे। वह इस्लाम धर्म का प्रचार करने निकले थे। पूरे हिंदुस्तान में भ्रमण कर अंतिम दौर में बुरहानपुर आए। उतावली नदी तट पर एकांत में धर्म का प्रचार किया। वो इस्लाम धर्म में बहुत बड़े सूफी कहलाए। हर साल उनके उर्स पर मगरीब की नमाज उतावली में पढ़ने की परंपरा शुरू हुई। सालों पुरानी यह परंपरा अब तक कायम है। नमाज अदा करने के लिए देश के अलग अलग हिस्सों से 20 हजार से ज्यादा जायरीन यहां आते हैं। उर्स पर दरगाह में दिनभर जियारत का दौर चला। इस बार उतावली नदी में पानी होने के कारण नमाज नदी से सटे तट पर अदा की गई। सुरक्षा की दृष्टि से यहां काफी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इस बार भी शाही जमा मस्जिद के इमाम हजरत सैयद इकराम उल्लाह बुखारी की इमामत में नमाज अदा की गई, जिसमें हजारों की संख्या में मुस्लिम समाजजन शामिल हुए। नमाज के बाद देश, दुनिया, शहर में अमन, शांति की दुआएं की गई।

तसनीम मर्चेट बनी कांग्रेस मतदाता पुनानिरीक्षण कमेटी की बुरहानपुर प्रभारी

बुरहानपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी देशभर में मतदाता सूची पुनानिरिक्षण विभाग का गठन किया हैं जिसको लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति की हैं। कांग्रेस नेता राहुल गाँधी जी के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी एवं म.प्र.कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी के निर्देशन में मतदाता सूची पुनानिरिक्षण विभाग प्रदेश प्रभारी ललित सेन द्वारा मध्यप्रदेश में विधानसभा वार प्रभारियों की नियुक्ति की हैं। जिसमें बुरहानपुर विधानसभा 180 में कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिंकू टाक की अनुशंसा,संजय दत्त , एवं ग्यारसी लाला रावत के अनुमोदन से कांग्रेस नेत्री श्रीमती तसनीम मर्चेट को मतदाता पुनानिरिक्षण प्रभारी नियुक्ति किया हैं।

गणेश विसर्जन की तैयारियों को लेकर घाटों का किया निरीक्षण

मोहना संगम पर भी छोटी मूर्तियो का होगा विसर्जन,सुरक्षा के दिए निर्देश, होमगार्ड जवानों की होंगी तैनाती।

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। गणेश विसर्जन की तैयारीयो को लेकर शुक्रवार को सांसद ज्ञानेश्वर पाटील,महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल,पूर्व महापौर अनिल भोंसले, जन प्रतिनिधियों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ताप्ती नदी के राजघाट का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सांसद ने सभी विसर्जन स्थलों पर टेंट, लाइट,साउंड सिस्टम, साफ सफाई, स्टॉपर,होमगार्ड जवानों की तैनाती, क्रेन, बैठक,बोट की सुविधाएं सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद.महापौर ने कहा कि विसर्जन स्थलों पर पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। ताप्ती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है इसलिए अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रहने के साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा कि आवागमन प्रभावित न हो।

मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने की अपील:–सांसद श्री पाटील ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की बढ़ती जागरूकता के कारण लोग अब प्लास्टर ऑफपेरिस ,पीओपी की बजाय घर.घर में मिट्टी की गणेश प्रतिमाएँ स्थापित कर रहे हैं,जो पर्यावरण के अनुकूल है और नदियों के प्रदूषण को कम करता है। उन्होंने आमजन मानस से अपील करते हुए कहा कि अगले साल सभी मिट्टी की प्रतिमाओं को स्थापित करें।

मोहना संगम पर भी छोटी मूर्तियो का होगा विसर्जन:–सांसद श्री पाटील ने जिलेवासियों से अनुरोध करते हुए कहा कि घर में विराजित छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन करने के लिए मोहना संगम का घाट भी पूर्ण रूप से विकसित हो गया है। इससे अन्य घाटों और हतनुर के पुल पर यातायात का दबाव कम होगा।

अगले साल 10 फिट की मूर्तियां ही हो स्थापित:–सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने सार्वजनिक गणेश मंडल और मूर्तिकारों से अनुरोध करते हुए कहा कि अगले साल से सार्वजनिक पांडालो में 10 फीट तक की ऊंचाई वाली प्रतिमाएं ही स्थापित करे। इसे लेकर उन्होंने जिला कलेक्टर से कहा कि ऐसी व्यवस्था लागू हो इसके लिए हम सभी को अभी से प्रयास करना है। सभी की सर्वसहमति इस पर बने इसके लिए हम प्रयास करेंगे। निरीक्षण के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोज टंडन, पंकज नाटानी,एमआईसी चैयरमैन व पार्षद भरत इंगले, नितेश दलाल,भरत मराठे, महेंद्र इंगले, राजेश महाजन, अमित नवलखे, अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश,नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव, सीएसपी गौरव पाटील, एसडीएम अजमेर सिंह गौंड सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विसर्जन स्थलों पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं अधिकारी रहेंगे तैनात

जिले में गणेश उत्सव अंतर्गत प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु विसर्जन स्थलों पर जिला प्रशासन द्वारा कानून व्यवस्था, यातायात सुविधा सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किये गये है। डिप्टी कलेक्टर राजेश पाटीदार ने बताया कि जिले में राजघाट पुल,नागझिरी घाट, खातु घाट,पीपलघाट, सतियारा घाट, हतनुर पुल, राजघाट पुल के पास जैनाबाद आदि विसर्जन स्थल चिन्हित किये गये हैं। छोटी गणेश जी की प्रतिमाओं का विसर्जन राजघाट, सतियारा घाट,नागझिरी घाट, और मोहना संगम पर तथा बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन हतनूर पुल पर किया जायेगा। कलेक्टर श्री हर्ष सिंह ने समस्त विसर्जन स्थलों पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं अधिकारियों को कार्य.दायित्व सौंपे है।

विधायक चिटनिस ने घर में बने मिट्टी के श्री गणेश जी का घर में ही किया, विसर्जन

विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस ने बुरहानपुर के द्वारकापुरी स्थित निवास पर अपने परिजनों सहित श्री गणेश जी की मिट्टी से निर्मित पार्थिव प्रतिमा का विसर्जन एक साफपात्र में ही किया। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने बताया कि इस वर्ष गणेश चतुर्थी पर हम सबने भक्ति भाव से गणपति बप्पा का परिवार में स्वागत कर बप्पा को विराजित किया। हमारे घर में, बेटी नम्रता ने अपने हाथों से घर की मिट्टी से गणेश जी की सुंदर प्रतिमा बनाई, जिनकी हमने पूरे विधि.विधान से स्थापना की। श्री गणेश जी वैसे तो अनंत चतुर्दशी तक हम सबके साथ रहते हैं, लेकिन भक्त अपनी.अपनी परंपरा के अनुसार 3,5, 7 या पूरे 10 दिनों तक उनकी आराधना करते हैं। इस वर्ष, हमने घर पर ही उनका विसर्जन करने का निर्णय लिया। हमने एक साफपात्र गंगाल में शुद्ध जल भरकर उसमें गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जित किया।

श्री गणेश जी के आशीर्वाद से युक्त उस पवित्र मिट्टी और जल को हमने घर के आंगन में लगी तुलसी सहित सभी पेड़.पौधों में प्रवाहित कर दिया। यह तरीका हमें यह सिखाता है कि हम अपने पर्व और परंपराओं को प्रकृति के साथ जोड़कर मना सकते हैं। श्रीमती चिटनिस ने कहा कि हमारी नदियां और जल स्रोत हमारी जीवन रेखा हैं। इनकी पवित्रता बनाए रखना, हम सब का परम कर्तव्य है। हमें इस बात का संकल्प लेना चाहिए कि हमारे हर पर्व और परंपराएं पर्यावरण के अनुकूल हों। श्रीमती अर्चना चिटनिस ने आगे कहा कि आइए हम सब मिलकर गणपति बप्पा से यह प्रार्थना करें कि वे हमें इतनी शक्ति और सामर्थ्य दें कि हम अपनी प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा कर सकें। हम यह प्रण लें कि अपनी आस्था के साथ.साथ प्रकृति को भी सहेजेंगे और स्वच्छ रखेंगे।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी : क्षेत्र में जगह जगह निकले जुलूस,समाजजन ने जताया उत्साह

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर / नेपानगर। क्षेत्र में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शुक्रवार को मुस्लिम समाजजन ने उत्साह से जुलूस निकाला। पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की यौमे पैदाइश पर मनाया जाने वाले इस पर्व को लेकर पहले से ही तैयारियों का दौर चल रहा था। वही जश्ने ईद मिलादुन्नबी शुक्रवार को बुरहानुपर एवं नेपानगर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। गुरुवार शाम से ही नगर की मस्जिदों और मदरसों में सजावट और तैयारियां की गई। सुबह 4 बजे से सभी मुस्लिम समाज जन जामा मस्जिद और एम जी नगर स्थित गौसिया अरबी मदरसा व मस्जिद में फ़ज़्र की नमाज़ अदा करने पहुंच गए। फ़ज़्र की नमाज़ के बाद

फातिया खानी पूर्ण कर सम्पूर्ण देश मे शांति और सौहार्द बनाये रखने की दुआ की गई। इस मौके पर जुलूस ए मुहम्मदी का आयोजन भी किया गया। इसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने भाग लिया। जुलूस पर पूरे मार्ग में सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात रहा।

जामा मस्जिद से निकला भव्य जुलूस :–जुलूस की शुरुआत नगर की जामा मस्जिद से हुआ और रास्ते मे जगह जगह सभी धर्मों के नागरिकों ने स्वागत भी किया। रास्ते में ई टाइप में रहने वाले समाजजनों ने हलवा वितरण कर भव्य जुलूस का स्वागत किया। इस मौके पर संजय नगर से भी जुलूस निकाला गया।जुलूस में बच्चोंए युवाओं और बुजुर्गों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस अवसर नगर की जामा मस्जिद कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष मोहम्मद रफ़ीक कुरैशी,सचिव मोहम्मद शाहिद, सदस्य शेख हामिद,अब्दुल कलीम शेख नईम,रसीद पटेल व अन्य सदस्यों ने शिरकत की। साथ ही गौसिया अरबी मदरसा व मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष शेख आशिक़, सचिव शेख अनवर कुरैशी,कोषाध्यक्ष कय्यूम खान,सहसचिव शेख आरिफ व अन्य सदस्यों उपस्थित रहे।

यहां निकला जुलुस:–नयाखेड़ा में मुस्लिम बंजारा समाज के लोगों ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर ग्राम में जुलूस निकाला। जगह जगह मिठाई वितरण की गई। इसी तरह डाभियाखेड़ा, दूधिया, नावरा, केरपानी,पलासुर,सांईखेड़ा आदि ग्रामों में भी ईद मिलादुन्नबी का पर्व मनाया गया।

पुलिस अधीक्षक ने आरक्षक को किया पुरस्कृत

बुरहानपुर। पुलिस अधीक्षक रात्रि में क्षेत्र भ्रमण पर थे तभी पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी द्वारा रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान विशेष मुस्तैदी एवं सजगता का परिचय देने वाले यातायात थाना के आरक्षक लोकेश पटेल के पॉइंट जिजामाता चौराहे पर रुक कर आरक्षक से चर्चा कर मुस्तैदी एवं सजगता का परिचय देने वाले आरक्षक को कैश रिवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने आरक्षक की इस कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि श्रात्रि ड्यूटी अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है,ऐसे में सतर्कता और समर्पण से काम करना अन्य जवानों के लिए प्रेरणादायक है। कैश रिवॉर्ड देकर एसपी बुरहानपुर ने जवानों को प्रोत्साहित किया और यह संदेश दिया कि कर्तव्यनिष्ठ एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को समय.समय पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने समस्त पुलिस बल से अपेक्षा की कि सभी जवान अपने कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ कार्य करें ।

एनपीएस के विरोध में किया प्रदर्शन,3 घंटे का उपवास

नवभारत न्यूज,

नेपानगर। एनपीएस के विरोध में शुक्रवार को शिक्षकोंए कर्मचारियों ने नेपानगर में विरोध प्रदर्शन किया। नेहरू स्टेडियम पर दोपहर 12 से 3 किया गया। इस दौरान एनपीएस के प्रांतीय संयोजक संतोष सिंह दीक्षित ने कहा हम किसी भी राजनीतिक दल के विरोधी नहीं है। केवल व्यवस्था के खिलाफ हैं। हम किसी सरकार के भी खिलाफ नहीं है,व्यवस्था के खिलाफ हैं। हम लोग 5 सुत्रीय मांगो को लेकर अपना अधिकार चाहते हैं हम कोई भीख नहीं मांगते। जब एक दिन के सांसदए विधायक पुरानी पेंशन ले सकते हैं तो हम क्यों नहीं संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर के बताए हुए रस्ते पर देश की सरकार को उनके बनाए हुए कानून लागू करना है। कानून कर्मचारियों,अधिकारियों के लिए अलग,जनप्रतिनिधि के लिए अलग ऐसा पक्षपात नहीं करना चाहिए। कानून सभी के लिए समान हैं। लोकतंत्र में सभी को अपना अधिकार पाना उसका हक होता है। उन्होंने कहा अपने अधिकारों के लिए ही आज शिक्षक,कर्मचारियों ने राष्ट्रीय उपवास कर विरोध दर्ज कराया है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिल बाविस्कर,प्रमिला सगरे, संयोजक विजेष राठौर,अजेक्स के राजेश साल्वे ,संयुक्त मोर्चा के उपाध्यक्ष राजेश पाटील, शिक्षक संजय अटकड़े, शिक्षक कांग्रेस के धर्मेंद्र चौकसे, अखिलेश काकुडिया,राजू चौधरी, संदीप जायसवाल, सरिता पाटिल, ममता दलवी, ट्राईबल वेलफेयर के भूपेंद्र खप्पर्दे,भारी संख्या में कर्मचारी ने उपस्थित होकर राष्ट्रीय उपवास किया है। उपवास को नगर पालिका अध्यक्ष भारती पाटील, भाजपा मंडल अध्यक्ष निलेश महाजन, नगर कांग्रेस के अध्यक्ष प्रकाश सिंह बेस,लालचंद पटेल, जगमीत सिंह जॉली द्वारा जूस पिलाकर, केले खिलाकर छुड़ाया गया। कर्मचारी, अधिकारी,राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त शिक्षकों की न्यायोचित मांगों का निराकरण की मांग की।

समाज निर्माण में योगदान देने वाले शिक्षकों का बुकिज़ क्लब ने किया सम्मान

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। बुरहानपुर बुकिज़ क्लब द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ऐसे शिक्षकों को सम्मानित किया गया,जो शिक्षण के साथ.साथ सामाजिक कार्य ,साहित्यिक कार्य और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार कर रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुधाकर माकुंदे ,विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं व्ही.एस.ठाकुर, कलारत्नध्साहित्य शिरोमणि रहे अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा तक सीमित नहीं हैंए बल्कि वे समाज में सकारात्मक बदलाव के वाहक भी हैं।

सेवानिवृत होने के बाद भी सामाजिक कार्य कर रहे शिक्षक रमन लाल कुशवाह, टी.पी. लाड़, भंडारी सर स्वयं दिव्यांग होकर भी दिव्यांग छात्रो को शिक्षा से जोड़ रहे हैए अपने नवाचार से बुरहानपुर में अलग पहचान बनाने वाले आस्था राय, निखत अफ्रोज दिलीप चौधरी, अजय सिंह मौर्या, आसिफ़ सर, मालविका डांगीवाला आदि को सम्मान पत्र एव स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई। संचालन बुरहानपुर बुकीज़ क्लब के सह.संस्थापक पंण् कपिल मिश्रा ने किया और सभी का आभार प्रदर्शन क्लब की संस्थापक कंचन गुरव ने किया आयोजन को सफल बनाने में क्लब के कनक ,भाग्येश, दामिनी, प्रज्ञा, सौरभ कमलेश, कंचन मालानी आदि सदस्यों का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीम ने मिलकर इस पूरे समारोह को यादगार और प्रेरणादायी बना दिया। अंत में बुकिज़ क्लब के सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे साहित्य, शिक्षा और सामाजिक कार्यों से जुड़े ऐसे प्रेरणादायी आयोजनों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखेंगे।

कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने हेतु फ़्लैगमार्च

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। ग्राम खकनार के संवेदनशील इलाकों,मुख्य चौराहा से होते थाना क्षेत्रों में निकाला गया फ़्लैग.मार्च। विसर्जन घाटों पर पुलिस द्वारा की गई विशेष बेरी गेटिंग व्यवस्था कार्य पूर्ण। जिले भर में लगाए गए पुलिस के फिक्स पिकेट्स। सभी थाना क्षेत्रों पुलिस की मोबाइल एवं बाइक पार्टीया कर रही सतत पेट्रोलिंग। इस फ़्लैग.मार्च का उद्देश्य न केवल सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना थाए बल्कि जनता में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ाना था।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल , एसडीओपी नेपानगर निर्भय सिंह अलावा के मार्गदर्शन में आज दिनांक 05/09/25 को पुलिस फ़ोर्स द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। जो थाना खकनार में प्रारंभ होकर शांती नगर, शिवाजी चौक, शनि मंदिर,महाजन मोहल्ला, गुर्जर मोहल्ला, बस स्टैंड,यादव बाडा,ग्राम में फ्लैग मार्च निकाला गया । जिसमें थाना प्रभारी खकनार अभिषेक जाधव ,तहसीलदार जितेंद्र अलावा,एसपीओ विशेष पुलिस अधिकारी व समस्त थाना स्टॉप मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस ▶ **शिक्षक दिवस पर किया गया शिक्षकों का सम्मान.....**

गुरु ज्ञान का दीप है एवं जीवन का आधार है : डॉ . निर्झर

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। ज्योति मंच द्वारा संचालित जैन विद्या एवं प्राकृत शोध संस्थान में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन हिंदी के मूर्धन्य मनीषी कवि डॉ.वीरेन्द्र निर्झर की अध्यक्षता, श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर की विदुषी सृष्टि जैन एवं विदुषी आशिका जैन के मुख्य आतिथ्य तथा राजेश चांदमल जैन एवं विमल कुमार जैन पाटनी के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। णमोकार मंत्र पाठ प्रोफेसर सोनाली चौधरी, शाहपुर ने ,सरस्वती वंदना शिवानी ने प्रस्तुत की,कवि युवराज मिस्त्री, वैद्य सुभाष माने,डॉ.उर्मिला चौकसे,ममता साहू, डॉक्टर सुनील दीक्षित, प्रो.शशिकांत दुबे, प्रो.सुनीता चौकसे,डॉ.अश्विनी महाजन ने गुरु के महत्व गीतों, कविताओं से प्रतिपादित किया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने के लिए डॉ.वीरेंद्र निर्झर, डॉ.सुरेन्द्र जैन भारती, प्रो. शशिकांत दुब, डॉ.सुनील दीक्षित, प्रो.चेतन खैरनार,अनिल मिश्रा क्रांति, वासुदेव खर्चे,डॉ उर्मिला चौकसे, प्रो.सुनीता चौकसे ,प्रो.. सोनाली चौधरी,प्रो.स्वाति गुप्ता,प्रो. गीता पाटिल,डॉ.अश्विनी चौधरी,ज्योति पवार, पूजा छत्रे,भावना राउत,करुणा भगत ,श्रीमती ममता को सरस्वती का चित्र एवं सुरेन्द्र सतसई दोहा सप्तशती भेंट कर मोती माला के साथ सम्मान किया । सम्मान दैरान कवि युवराज मिस्त्री,कवि वैद्य सुभाष माने, विदुषी सृष्टि जैन,विदुषी आशिका जैन, सांगानेर,राजेश चांदमल जैन, विमल कुमार पाटनी का अभिनंदन किया गया। बतादे कि महान शिक्षाविद, भारतीय दर्शन के अध्येता, दार्शनिक, डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन, पूर्व राष्ट्रपति के जन्म दिवस पर मनाया जाने वाला शिक्षक दिवस गुरु और शिष्य के संबंधों को रेखांकित करने वाला होता है। डॉ.राधाकृष्णन मूल्य और आदर्शों के प्रतीक थे। यह कहते हुए डॉ. सुरेन्द्र जैन भारती ने गुरु और शिष्य संबंधों को मूल्य और आदर्श तथा सदाचार, संस्कारों के बीजारोपण का विशेष अध्याय बताया। संचालन अनिल मिश्रा क्रांति ने किया।

अपनी आत्मा को परमात्मा में बदलने आकिंचन धर्म

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत्परिषद् के उपाध्यक्ष प्रो.सुरेन्द्र जैन भारती ने दसलक्षण महापर्व के नौवें दिन उत्तम आकिंचन धर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जब साधक यह विचार कर लेता है कि संसार असार है और इस असार संसार में आत्मा के अतिरिक्त मेरा और कुछ भी नहीं है, ऐसा सोचकर वह शरीर से और सांसारिक वस्तुओं के प्रति मोह त्याग देता है। यहीं से आकिंचन धर्म प्रारंभ होता हैण्आकिंचन धर्म की प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा मिथ्या दर्शन है,जब साधक मिथ्या दर्शन का त्याग कर सम्यक् दर्शन को ग्रहण कर लेता है तब वह धर्म के सार रूप अकिंचनपने को प्राप्त कर लेता है , अकिंचनपने का मतलब अभावग्रस्त होना नहीं है,अपितु सद्भावों से युक्त होना है।